नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

मध्यभारत का एकमात्र विदेशी भाषा का केंद्र :महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

ग्लोबल गाँव बनने के बाद दुनियाँ के तमाम देशों के बीच दूरियाँ तो कम हो चुकीं हैं पर भाषाएँ आज भी इनके संवाद के बीच रूकावट बनी हुई हैं। अब जरूरत है कि देश के युवा अपने परंपरागत विषयों से हटकर कम-से-कम एक विदेशी भाषा के जानकार बने एवं विश्व के देशों का भारत के साथ संवाद में अपनी महती भूमिका निभायें। विदेशी भाषाओं का ज्ञान रोजगार परक है एवं इसकी आवश्यकता हरेक क्षेत्र में है। अगर इंजीनियर, पत्रकार, भाषाविद, भाषावैज्ञानिक, चिकित्सक एवं कोई भी स्नातक अथवा परास्नातक इन्हें सीखते हैं तो उनके लिए यह अतिरिक्त योग्यता के साथ ही रोजगार/व्यवसाय के अवसर को बढ़ा देता है।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा मध्यभारत का इकलौता विश्वविद्यालय है जहाँ हिंदी एवं अन्य मानविकी विषयों के साथ-साथ विदेशी भाषाओं की भी पढ़ाई होती है। विदेशी भाषा के लिए यहाँ पर विशेष रूप अलग केंद्र की स्थापना की गयी है। भारतीय एवं विदेशी भाषा प्रगत अध्ययन केंद्र की स्थापना विदेशी भाषाओं एवं भारतीय भाषाओं के बीच संवाद, अनुवाद एवं ज्ञान-विज्ञान के आदान-प्रदान हेतु की गयी है।

यहाँ पर हिंदी एवं अन्य भाषाओं के कोश तैयार किए जा रहे हैं, साथ-ही-साथ हिंदी माध्यम से विदेशी भाषाओं के सीखने हेतु सामग्री का निर्माण कार्य भी चल रहा है।

यह केंद्र अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। यहाँ भाषा सीखने हेतु भाषा प्रयोगशाला, आईसीटी कक्ष एवं कंप्यूटर प्रयोगशाला आदि सभी सुविधाएं मौजूद हैं। भाषाप्रयोगशाला सहित अद्यतन प्रविधियों एवं तकनीक का -प्रशिक्षण में उपयोग-भाषाओं के शिक्षण के साथ नियमित अभ्यास एवं ट्यूटोरियल कि भी व्यवस्था है। वर्तमान में यहाँ सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, एडवांस्ड डिप्लोमा एवं एम.फ़िल. पाठ्यक्रम संचालित हैं। (अगर आप कहें तो इसमें बी.ए. एवं एम.ए. को भी यहाँ शामिल कर दिया जाएँ, बी.ए. (फ्रेंच) के लिए कई लोगों ने पूछा है...) यहाँ के पाठ्यक्रम रोजगार परक एवं अत्यंत सफल हैं। विश्वविद्यालय में एक साथ दो डिग्री कोर्स में प्रवेश नहीं लिया जा सकता है, लेकिन एक डिग्री कोर्स के साथ दूसरा डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स किया जा सकता है। ऐसे में विश्वविद्यालय परिसर में चलने वाले विदेशी भाषा में डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स को करने वाले किसी भी कोर्स के साथ इसे कर सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों में मेरिट के आधार पर प्रवेश दिया जाता है।

यहाँ संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण निम्न हैं-

पाठ्यक्रम	विषय	अवधि	परीक्षा प्रणाली	क्रेडिट	अर्हता
1. सर्टिफिकेट	स्पेनिश, चीनी, जापानी, फ्रेंच, अंग्रेजी, उर्दू, मराठी एवं संस्कृत	01 वर्ष (दो सेमेस्टर)	सेमेस्टर. प्रत्येक सेमेस्टर दो पाठ्यचर्याएँ (आतंरिक मूल्यांकन एवं मौखिकी सहित)	(2x4+2)x2= 20	10+2 अथवा उच्चतर उपाधि
2. डिप्लोमा	स्पेनिश, चीनी, जापानी, फ्रेंच, अंग्रेजी, उर्दू, मराठी एवं संस्कृत	01 वर्ष (दो सेमेस्टर)		(2x4+2)x2= 20	10+2 अथवा उच्चतर उपाधि के साथ ही संबद्ध भाषा में सर्टिफिकेट
3. एडवांस्ड डिप्लोमा	स्पेनिश, चीनी, जापानी, फ्रेंच, अंग्रेजी, उर्दू, मराठी एवं संस्कृत	01 वर्ष (दो सेमेस्टर)		(2x4+2)x2= 20	10+2 अथवा उच्चतर उपाधि के साथ ही संबद्ध भाषा में डिप्लोमा
4. एम.फ़िल.	स्पेनिश, चीनी	तीन सेमेस्टर	सेमेस्टर.	60	संबंधित भाषा में 50% अंकों के साथ एम.ए. की उपाधि

डॉ. श्रीनिकेत कुमार मिश्र

सहायक प्रोफेसर, फ्रेंच
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
मो. - 09423410360, ईमेल- sriniket@yahoo.com